the said steep increase in the procurement and minimum support prices of paddy and other kharif crops including groundnut and whether it would not result in the increase in prices of other essential commodities; and

(c) the steps proposed to be taken by Government to check the price rise?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI UPENDRA NATH VERMA): (a) The procurement / minimum support prices for Rabi crops of 1989-90 to be marketed in 1990-91 season were revised in April, 1990.

(b) All commodities Wholesale Price Index (base 1981-82 = 100) for March, 1990, i.e. before the revision of procurement / minimum support prices for Rabi crops was 170.1. After the announcement of the prices for Kharif crops of 1990-91, the Wholesale Price Index in July, 1990 (average for 3 weeks) was 178.1.

The price movements of essential commodities etc. depend on factors like production, supply and demand situation, money supply, general price situation, international prices etc.

(c) Steps being taken by Government include judicious release of essential commodities through the Public Distribution System, augmented availability through enhanced production and / or imports if necessary, stringent measures to prevent hoarding and black marketing, fiscal and monetary measures, etc.

राजकीय सहायता से कृषि उपकरण उपलब्ध कराये जाने की योजना

694. **श्री बलराम सिंह यादव:**
श्रीमती कैलाशपति:

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार किसानों को राजकीय सहायता से कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई योजना बनाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त योजना कब लागू की जायेगी और किसानों को कृषि उपकरण प्रदान किये जाने की पात्रता के संबंध में क्या मापदंड निर्धारित किए गए हैं?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार): (क) जी, नहीं।

(ख) तथा (ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा खाद्य तेलों के मूल्यों पर नियंत्रण

695. **श्री बलराम सिंह यादव:**
श्रीमती कैलाशपति:

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश के आंतरिक बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड को सौंपी थी;

(ख) यदि हां, तो बोर्ड ने इस समय खाद्य तेलों की बढ़ती हुई कीमतों को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए हैं; और

(ग) इन उपायों से प्राप्त परिणामों का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार): (क) सरकार, खाद्य तेलों के मूल्यों का नियंत्रण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए खाद्य तेलों को निर्मुक्त करके और मण्डी हस्तक्षेप कार्य के द्वारा करती है। भारत सरकार ने खाद्य तेलों / तिलहनों में मण्डी हस्तक्षेप कार्य को कार्यान्वित करने के लिए सरकार की समेकित तिलहन नीति के तहत पत्र संख्या 25030 / 2 / 88- व्यापार के द्वारा राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड को मण्डी हस्तक्षेप एजेंसी के रूप में नियुक्त किया है। मण्डी हस्तक्षेप कार्य का उद्देश्य तिलहनों और तेलों को इस प्रकार खरीदना व बेचना है कि मूंगफली और सरसों के तेल के थोक

मूल्यों को सन्दर्भ बाजारों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों के भीतर ही कायम रखा जा सके।

(ख) और (ग) खाद्य तेलों के मूल्यों को संतुलित बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने "धारा" नामक ब्रांड से अपने उपभोक्ता विपणन कार्य को बढ़ाया है तथा इस ब्राण्ड से मूंगफली और सरसों दोनों (शुद्ध व निस्यन्दित) को बड़ी मात्रा में बहुत ही उचित दरों पर, जोकि सभी प्रकार के ब्राण्ड वाले तेलों में सबसे सस्ता है, बेच रहा है।

वे दरें, जिन पर धारा नामक तेल बेचा जा रहा है, नीचे दी गई हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने 1 मार्च, 1990 से एक लिटर के पैक के मूल्य को स्थिर बनाए रखा है।

	रुपए / लिटर		रुपए /5 कि०ग्रा०
मूंगफली को दो-वार		गुजरात में	155
निस्यन्दित तेल	27.00	बम्बई में	160
शुद्ध मूंगफली तेल	31.50		188
सरसों का शुद्ध तेल	24:50		133

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड पिछले कुछ माहों से उत्तर और पूर्व की थोक मण्डियों में उचित दरों पर सरसों का तेल और जून, 1990 से बम्बई, गुजरात, मद्रास और बंगलौर में उचित दामों पर पामोलीन बेच रहा है।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि

696. **श्री संतोष बागड़ोदिया:**
प्रो० सौरीन्द्र भट्टाचार्य:
श्री राम जेठमलानी:
श्री महेन्द्र प्रसाद:
श्री संतोष कुमार साहू:
डा० जी० विजय मोहन रेड्डी:
श्री देवव्रत विश्वास:
श्री एन०ई० बलराम:
श्री गुरुदास दासगुप्त:
श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल:

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले छः महीनों के दौरान नमक, दालों, लोहा, सीमेंट, गेहूं, चीनी, वनस्पति, मूंगफली का तेल, सरसों का तेल, चाय, चावल और मिट्टी के तेल सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और नवम्बर, 1989 की स्थिति की तुलना में 31 जुलाई, 1990 तक कीमतों में कितनी वृद्धि हुई तथा माह-वार कितने-कितने प्रतिशत वृद्धि हुई; और

(ग) कीमतों को कम करने और लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गए हैं या उठाये जाने का विचार है?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल): (क) पिछले छः महीनों (20.1.90 तथा 21.7.90 को समाप्त सप्ताहों के बीच) के दौरान चुनी आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में मिश्रित रुख रहा है। इस अवधि के दौरान चावल, गेंहू, चना, अरहर, चीनी, सीमेंट, मूंगफली के तेल, सरसों के तेल, वनस्पति, नमक तथा लोहे के इस्पात के थोक मूल्य सूचकांकों में वृद्धि दिखाई दी है। तथापि इस अवधि के दौरान ज्वार, लाल मिर्च, काली मिर्च, चाय, आटा, मैदा तथा चीनी के मूल्य सूचकांकों में कमी आई है और मिट्टी के तेल तथा कोयले के मूल्य सूचकांक स्थिर रहे हैं।

(ख) मूल्यों में वृद्धि के अनेक कारण हैं। मूल्य वृद्धि के मुख्य कारण 1989-90 तथा पहले के वर्षों के दौरान मुद्रा की आपूर्ति में तीव्र वृद्धि होना, बढ़ती उपभोक्ता मांग तथा दालों व खाद्य तेलों जैसे कुछ आवश्यक मदों के मामले में मांग व आपूर्ति में अन्तर है। कुछ कृषि जन्य वस्तुओं की वसूली तथा न्यूनतम समर्थन मूल्यों में वृद्धि के अलावा पेट्रोल तथा डीज़ल के निर्देशित मूल्यों में वृद्धि से परिवहन की लागत में वृद्धि तथा रेल भाड़े में बढ़ोत्तरी से मूल्यों में भारी वृद्धि का रुख रहा है।

एक विवरण अनुपत्र में दिया गया है जिसमें नवम्बर, 1989 से जून, 1990 तक चावल, गेहूं, चना, अरहर, चीनी, नमक, वनस्पति, मूंगफली के तेल, सरसों के तेल, चाय, मिट्टी के तेल, लोहा व इस्पात, सीमेंट आदि के थोक मूल्य सूचकांकों में आया मास-वार उतार-चढ़ाव